संख्या-136/2019/1115/41-2019-14(बजट)/2019

प्रेषक,

ए0पी0 सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ

पर्यटन अनुभाग — लखनऊ, दिनांक 27 मार्च, 2019

विषय- जनपद अयोध्या में पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं सौन्दर्यीकरण के अन्तर्गत श्री राम की प्रतिमा एवं अन्य मूलभूत पर्यटक सुविधाओं की प्रायोजना हेतु आवश्यक भूमि का अधिग्रहण/क्रय किये जाने हेतु अग्रतर वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-8274/6-1-1(919)2019, दिनांक 26 मार्च 2019 एवं पत्र सं0-8364ए/6-1-1(919)2019, दिनांक 26 मार्च 2019 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- जनपद अयोध्या में पर्यटन सुविधाओं के विकास एवं सौन्दार्यीकरण के अन्तुर्गत श्री राम की प्रतिमा एवं अन्यप मूलभूत पर्यटक सुविधाओं की प्रायोजना हेतु आवश्यक भूमि का अधिग्रहण/क्रय किये जाने हेतु जिलाधिकारी अयोध्या के पत्र संख्या-1167/विविध लिपिक-जिलाधिकारी-मूर्ति-भूमि-आख्या/2019 दिनांक 01 जनवरी 2019 में की गयी संस्तुति के अनुक्रम में चिन्हित भूमि को निर्धारित सर्किल रेट, वृक्ष पातन अनुज्ञा, रजिस्ट्रेशन शुल्क आदि समस्त धनराशियों सहित जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा मूल्यांकन की गयी धनराशि रू0 38,06,11,212.00 (रूपये अड़तिस करोड़ छः लाख ग्यारह हजार दो सौ बारह मात्र) के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-44 के लेखाशीर्ष-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार-43-अयोध्या में पर्यटन सुविधाओं का विकास एवं सौन्दर्यीकरण-24-वृहत निर्माण कार्य में उपलब्ध धनराशि से रू0 1,50,00,000.00 (रू0 एक करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि प्रस्तावित भूमि को जिलाधिकारी अयोध्या के माध्यम से क्रय/अधिग्रहण किये जाने हेतु किये जाने हेतु शासनादेश संख्या-101/2019/126/41-2019-14(बजट)/2019 दिनांक 09 मार्च 2019 द्वारा आपके निवर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी थी।

3- उपर्युक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उपर्युक्त प्रायोजना हेतु चिन्हिंत भूमि के क्रय/अधिग्रहण हेतु शासनादेश संख्या-131/2018/2300/41-2018-26(बजट)/2018 दिनांक 08 अगस्त 2018 द्वारा जनपद अयोध्या में मल्टीस्टोरी पार्किग हेतु आवश्यक भूमि के क्रय/अधिग्रहण हेतु वित्तीय

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

वर्ष 2018-2019 के अनुदान संख्या-44 के लेखाशीर्ष-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार-43-अयोध्या में पर्यटन सुविधाओं का विकास एवं सौन्दर्यीकरण-24-वृहत निर्माण कार्य मद से अवमुक्त की गयी धनराशि रू0 1255.00 लाख में से वास्तविक रूप से व्यय हुई धनराशि रू0 9,68,75,488.00 (रू0 नौ करोड़ अड़सठ लाख पचहत्तर हजार चार सौ अट्ठासी मात्र) के सापेक्ष बचत की धनराशि रू0 2,86,24,512.00 (रू0 दो करोड़ छियासी लाख चौबीस हजार पॉच सौ बारह मात्र) एवं इस मद में सम्प्रति उपलब्ध धनराशि से रू0 4,00,000.00 (रू0 चार लाख मात्र) अर्थात कुल रू0 2,90,24,512.00 (रू0 दो करोड़ नब्बे लाख चौबीस हजार पॉच सौ बारह मात्र) की धनराशि की अग्रतर स्वीकृति/अनुमति जनपद अयोध्या में भगवान श्री राम की विशाल प्रतिमा की स्थापना की प्रायोजना हेतु आवश्यक भूमि का अधिग्रहण/क्रय किये जाने हेतु निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(1) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप सं0 1/2018 बी-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक 30 मार्च, 2018 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा निवर्तन पर रखी जी रही धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य मद/प्रयोजन हेतु नहीं किया जायेगा एवं स्वीकृत धनराशि का व्यावर्तन तथा पुनर्विनियोजन शासन की पूर्व अनुमति से ही किया जायेगा।

(2) उपर्युक्त कार्य हेतु प्रस्तावित भूमि के अधिग्रहण/क्रय हेतु समस्त औपचारिकताओं यथा-वित्तीय एवं राजस्व नियमों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा यथावश्यकता सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

(3) उपर्युक्त कार्य हेतु प्रस्तावित भूमि के अधिग्रहण/क्रय हेतु समस्त औपचारिकताओं यथा- वित्तीय एवं राजस्व विभाग द्वारा निर्गत भूमि अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारिदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30 सन् 2013) एवं इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत शासनादेश आदि तथा भू-स्वामियों से आपसी समझौते के आधार पर भूमि क्रय करने के सम्बन्ध में प्रक्रिया का निर्धारण विषयक राजस्व अनुभाग-13 के शासनादेश संख्या-2/2015/215/एक-13-2015-20 (48)/2011, दिनांक 19 मार्च, 2015 में उल्लिखित प्रक्रिया/नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा यथावश्यकता सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

(4) स्वीकृत की जा रही उक्त धनराशि का व्यय वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप सं0-1/ 2018/बी0-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक 30 मार्च, 2018 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रायोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(5) यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि उक्त योजना किसी अन्य कार्य योजना में सम्मिलित नहीं है तथा इस हेतु पूर्व में किसी अन्य योजना/स्रोतों से धनराशि प्राप्त नहीं की गयी है।

(6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा। निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष में ही वास्तविक देयता के आधार पर किया जायेगा तथा अप्रयुक्त अथवा अवशेष धनराशि को दिनांक 31 मार्च 2018 के पूर्व शासन को अनिवार्यरूप से समर्पित कर दिया जायेगा।

(7) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि में से नियमानुसार व्यय किये जाने हेतु आवश्यक धनराशि को कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, इलाहाबाद को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के समक्ष किये गये व्यय पर नियन्त्रण के सम्बन्ध में शासनादेश सं0 बी-1-1195।/दस-16/94, दिनांक 06 जून, 1994 द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(8) व्यय प्रबन्धन एवं शासकीय व्यय में मितव्ययिता के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों का विशेष रूप से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ-साथ राजकीय धन व्यय करने में उ0प्र0 बजट मैनुअल के प्रस्तर-12 में दी गयी शर्तों की पूर्ति तथा वित्तीय औचित्य के मानकों (स्टैण्डर्डस आफ फाइनेन्शियल प्रोप्राइटी) का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाय।

(9) निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के सापेक्ष एकमुश्त आहरण न कर कार्य की प्रकृति एवं आवश्यकता के अनुसार किया जाय तथा पूर्व वर्षो में इस मद में व्यय की गयी धनराशि का पूर्ण प्रामाणिक उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी शासन को सक्षम स्तर से उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

(10) प्रस्तर-2 में स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये शर्तो एवं प्रतिबन्धों तथा वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों/आदेशों के अन्तर्गत सुनिश्चित किया जायेगा।

(11) उक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का अनुपालन महानिदेशक पर्यटन/पर्यटन निदेशालय के वित्त नियंत्रक/सम्बन्धित अधिकारी एवं जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा।

(12) प्रस्तर-2 में निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि की स्वीकृति जिलाधिकारी अयोध्या एवं महानिदेशक, पर्यटन द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना/विवरण के आधार पर दी जा रही है। यदि उक्त सूचना/विवरण में कोई विसंगति या त्रुटि पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तदायित्व सम्बन्धित का होगा।

4- उक्त प्रस्तर-3 में स्वीकृत की जा रही धनराशि रू0 2,90,24,512.00 (रू0 दो करोड़ नब्बे लाख चौबीस हजार पॉच सौ बारह मात्र) का वहन चालू वित्तीय वर्ष 2018-2019 के अनुदान संख्या-44 के लेखाशीर्ष-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-104-संवर्धन तथा प्रचार-43-

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

अयोध्या में पर्यटन सुविधाओं का विकास एवं सौन्दर्यीकरण-24-वृहत निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा ।

5- यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप सं0-1/2018/बी0-1-375/दस-2018-231/2018, दिनांक 30 मार्च, 2018 एवं शासनादेश संख्या-16/2018/बी-2-979/दस-2018-244/2018, दिनांक 10 सितम्बर, 2018 में प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिधानित वित्तीय अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ए0पी0 सिंह)
संयुक्त सचिव ।

संख्या-136/2019/1115(1)/41-2019-14(बजट)/2019दिनांक 09 मार्च 2019

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/ द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज ।
2- महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज ।
3- आयुक्त अयोध्या मण्डल ।
4- जिलाधिकारी, अयोध्या ।
5- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ/ अयोध्या ।
6- निदेशक, वित्तीय सांख्यिकीय निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ ।
7- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ ।
8. क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी, अयोध्या ।
9- वित्त (व्यय) नियंत्रण अनुभाग-1/2 ।
10- वित्त (व्यय) नियंत्रण अनुभाग-7 ।
11- संयुक्त निदेशक, पर्यटन निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ ।
12- वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग ।
13- गार्ड-फाइल ।

आज्ञा से,

(ए0पी0 सिंह)
संयुक्त सचिव ।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।